**Second Year Examination of the**
**Three -Year Degree Course, 2001**

**(Faculty of Arts)**

**SANSKRIT**

**संस्कृत**

**Paper-II**

**प्राकृत भारतीय संस्कृति, धर्मशास्त्र, व्याकरण,अनुवाद एवं निबन्ध**

Time : 3 Hours
[ Maximum Marks :100 ]

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** का उत्तर दीजिए: **15+5**

(क) भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का विशद विवेचन कीजिये।

(ख) ''भारतीय आश्रम व्यवस्था की योजना व्यक्ति के पूर्ण विकास के लिए बनाई गई है।'' स्पष्ट कीजिए।

(ग) प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति का विस्तार से वर्णन कीजिए।

(घ) वैदिक कालीन राजनैतिक व्यवस्था पर विस्तृत टिप्पणी लिखिये।

2. (अ) निम्नलिखित श्लोकों में से **किन्हीं दो** की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिये: **7+7**

(i) संकल्पमूलः कामौ वै यज्ञाः संकल्पसम्भवाः।
व्रतानि यमधर्माश्च सर्वे संकल्पजाः समृताः।।

(ii) अकारं चाप्युकारं च मकारं च प्रजापतिः।
वेदत्रयान्निरदुहद् भूर्भुवःस्वरितीति च ।।

(iii) एकदेशं तु वेदस्य वेदाङ्गान्यपि वा पुनः।
योऽध्यापयति वृत्यर्थमुपाध्यायः स उच्यते।।

(iv) अत ऊर्ध्व त्रयोऽप्येते यथाकालमसंस्कृताः।
सावित्रीपतिता व्रात्या भवन्त्यार्यविगर्हिताः।।

(आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए: **2+2**

(i) द्विज बालक का चूडाकर्म संस्कार किस आयु में किया जाना चाहिए?

(ii) आर्यावर्त देश किसे कहा गया है?

(iii) उपवीती किसे कहते है?

(iv) अतिभोजन से क्या नष्ट होता है?

(इ) मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के अनुसार ऊँकार का महत्त्व बताइये। **7**

**अथवा**

उपनयन संस्कार का वर्णन मनुस्मृति के अनुसार कीजिये।

3. (अ) निम्नलिखित सूत्रों में से **किन्हीं दो** की सोदाहरण व्याख्या कीजिये: **5+5**

(i) ष्टुना ष्टुः

(ii) विसर्जनीयस्य सः

(iii) खरि च

(iv) झलां जश् झशि

(v) हलि सर्वेषाम्



PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के रूप लिखिये: **5**

भूभृत, आशिष्, अहन्, वेधस्

(इ) निम्नलिखित धातुओं में से **किन्हीं दो** धातुओं के रूप लिखिये: **5**

तन् (लट्), भी (लट्), श्रु (लोट्), ब्रू (लङ्)

4. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी अनुवाद कीजिये: **7**

यस्मिन् राष्ट्रे विविधानां शास्त्राणां चिन्ता न प्रवर्तते। यत्र जना: शास्त्राणाम् अध्ययनम्, अनुशीलनम्, मननं चिन्तनं च नहि कुर्वन्ति; तस्य राष्ट्रस्य उन्नति नहि भवितुं शक्नोति। यानि यानि राष्ट्राणि यदा यदा समुन्नति चक्रु: तदा तदा विद्याविज्ञानेन एव। यानि यानि च राष्ट्राणि अवनतानि नाम सञ्जतानि तानि तानि खलु अविद्यया एव।

**अथवा**

कार्याणां सिद्धिर्हि परिश्रमेण एंव भवति। परिश्रमस्य मूले तपश्चर्या एंव विद्यते। अत: कार्यसिद्धयर्थमस्य भृशमपेक्षा वर्तते।ये ये महानुभावा: यदा यदा तेषु तेषु कार्येषु साफल्यं लभन्ते ते सर्वे किल तपश्चर्यया एव। असुराणां तपश्चर्या पुराणेषु प्रसिद्धा एंव। ते खलु तपश्चर्यया एव देवान् जयन्ति।

5 निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** का संस्कृत में अनुवाद कीजिये: **8**

(i) मेरी ईश्वर में श्रद्धा है।
(ii) बालक पिता को प्रणाम करता है।
(iii) इस लड़की का जाना देखो।
(iv) वह धन चाहता है।
(v) गंगा हिमालय से निकलती है।
(vi) दुर्जन के लिए राजा पर्याप्त है।
(vii) वाटिका से फूल लाओ।
(viii) वह मुनि मोक्ष के लिए ईश्वर को भजता है।

6 निम्नलिखित विषयों में से **किसी एक** पर संस्कृत में लघु निबंध लिखिये: **10**

(i) संस्कृतभाषाया: महत्वम्
(ii) सत्संगति:
(iii) वेदानां महत्वम्
(iv) स्त्रीशिक्षा



PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com